



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश सचिव शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 7 फरवरी, 2000/18 मार्च, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

आवकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 दिसम्बर, 1999

संख्या ई0एक्स0एन-ए (3)-19/93.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई0एक्स0एन-ए (3)-19/93, तारीख 1-3-1996 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश आवकारी एवं कराधान विभाग में लिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) पद के भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1996 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश आवकारी एवं कराधान विभाग, लिपिक (वर्ग-III) (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश आबकारी एवं करा इन विभाग लिपिक वर्ग-III (अराजपति) पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 के उपाबन्ध "अ" में,—

(क) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्: 160 (एक सौ साठ)।

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्: (i) रुपये 3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-5000-160-5160 (मूल प्रवेश वेतनमान) यह वेतनमान संवर्ग में पदों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत को दिया जायेगा।

(ii) 4400-150-5000-160-5800-200-7000 (कनिष्ठ सहायकों के लिए) यह वेतनमान संवर्ग में लिपिकों के पदों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत को, लिपिक के पद पर 5 वर्ष की सेवाकाल के पश्चात् दिया जायेगा, और इन पदों के पदधारियों को कनिष्ठ सहायक के रूप में पदाभिहित किया जायेगा।

(ग) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उपबन्धों में अंकों और शब्दों "18 से 35 वर्ष" के स्थान पर "18 से 38 वर्ष" अंक और शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(घ) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात्:

"चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों में से, जिन्होंने दसवीं कक्षा या हिन्दी (रत्न) सहित दसवीं कक्षा (अंग्रेजी, एक विषय सहित) उत्तीर्ण की हो, और जिनका ग्रेड में पांच वर्ष नियमित सेवाकाल या (31-3-98) तक की गई तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके पांच वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा:

परन्तु चतुर्थ श्रेणी से प्रोन्नत हुए ऐसे पदधारियों को तब तक कनिष्ठ सहायक के पद पर प्रोन्नति के लिए पात्र नहीं समझा जायेगा जब तक कि वे भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों की मद संख्या 7 में सीधी भर्ती के लिए विहित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त नहीं कर लेते।

1. प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-98 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिये, इस शर्त के अधीन रहते हुये गणना में ली जायेगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-98) तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति अनुसरण में हो, को शामिल करके के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में, उससे बरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों को, जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है, की कम से

कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने सम्बन्धित विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिये अपात्र समझा जायेगा ।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी के प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे हिमोविलाइज्ड आर्मड फोर्सिबल परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्स, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दो हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्स, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो न इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों ।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिये गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।”

आदेश द्वारा,

अजय भित्तल,
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-A(3)-19/93, dated 23-12-99 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 23rd December, 1999

No. EXN-A(3)-19/93.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh, Excise and Taxation Department Clerks, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1996, notified vide Notification No. EXN-A(3)-19/93, dated 1-3-96, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These Rules may be called the Himachal Pradesh Excise and Taxation Department Clerks, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure 'A'.*—In Annexure 'A' to the Himachal Pradesh Excise and Taxation Department, Clerks, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1996:—

(a) for the existing provisions against Column No. 2, the following shall be substituted, namely:—“160 (One hundred sixty)”

(b) for the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

(i) Rs. 3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-5000-160-5160 (Basic entry scale):—this scale is to be given to 50 % of posts in the cadre.

(ii) Rs. 4400-150-5000-160-5800-200-7000 for Junior Assistant.—This scale is to be given to 50% of the total number of posts of Clerks in a cadre, after a period of five years of service as Clerk and the incumbents of these posts shall be designated as Junior Assistant.

(c) for the existing provisions against column No. 6, for the words and figures “between 18 and 35 years” the words and figures “Between 18 years and 38 years” shall be substituted.

(d) for the existing provisions against column 11, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Class-IV officials who have passed Matriculation or Hindi (Rattan) with Matric (English as one of the subject) and also possesses years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service in the grade:

Provided that the incumbents of the post of Class-IV officials so promoted shall not be considered to be eligible for their next promotion for the post of Junior Assistant until they possess the minimum Educational Qualification prescribed for the direct recruitment in col. 7 of R&P Rules.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that:

(i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the

minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of rule 3 of Ex-Servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-98 if any, prior to the regular appointment/against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the Recruitment and Promotion Rules :

Provided that *inter-se-seniority* as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged'.

By order,

AJAY MITTAL,
Commissioner-cum-Secretary.

